OM-11- 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 08/08/2021 12:56 PM Page 1


# ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष-23 अंक-11 सितम्बर-I-2021 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 8.50


**ई-कॉन्फ्रेन्स 'सशक्त भारत की शान-आत्म निर्भर किसान'**

**योग की स्थिति में स्थित हो खेत में करें काम : ब्र.कु. शिवानी**

# कृषि क्षेत्र में ब्रह्माकुमारीज़ का कार्य सराहनीय : गडकरी

**माउण्ट आबू-राज.।** ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा 'सशक्त भारत की शान-आत्म निर्भर किसान' विषय पर आयोजित दो दिवसीय ई-कॉन्फ्रेन्स को सम्बोधित करते हुए **ब्र.कु. राजू,वाइस चेयरपर्सन,एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट विंग,ब्रह्माकुमारीज़** ने कहा कि दो दिवसीय कॉन्फ्रेन्स के दौरान ब्रह्माकुमारीज़ के वरिष्ठ भाई-बहनों एवं शाश्वत यौगिक फार्मिंग प्रोजेक्ट के सदस्यों के अनुभवों से अवश्य ही सभी अपनी आध्यात्मिक उन्नति और शाश्वत यौगिक खेती का नया तरीका सीख सकेंगे। **ब्र.कु. बृजमोहन,अतिरिक्त सचिव,ब्रह्माकुमारीज़** ने कहा कि शाश्वत यौगिक खेती से कई किसानों को अपनी खेती को बेहतर बनाने में लाभ मिला और ये साइंटिफिकली प्रूवेन है और कई गांवों और कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा अपनाया भी गया है। **ब्र.कु. सरला दीदी,चेयरपर्सन, प्रभाग** ने कहा कि हमें किसानों के मन को आध्यात्मिक रूप से सशक्त करना होगा, ताकि वे अच्छे संस्कार खुद में धारण कर खुद को आत्मनिर्भर बना सकें। ब्रह्माकुमारीज़ के 'सस्टेनेबल यौगिक फार्मिंग' प्रोजेक्ट का उद्देश्य कम लागत में अधिक और गुणवत्ता युक्त उत्पादन को बढ़ावा देना है। **राजयोगिनी ब्र.कु. शिवानी दीदी,राजयोग प्रशिक्षिका एवं जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा** ने कहा कि किसान की सूक्ष्म से सूक्ष्म मानसिक स्थिति का उत्पादन पर प्रभाव पड़ता है और भोजन का हमारे अस्तित्व पर बहुत प्रभाव पड़ता है। उन्होंने किसानों का आह्वान करते हुए कहा कि योग की स्थिति अर्थात् खुद को हमेशा परमात्मा के साथ अनुभव करते हुए खेत में काम करें, इस स्थिति के साथ उगाया हुआ अनाज या उपज हमें उच्च व श्रेष्ठ वायब्रेशन तथा बेहतर पोषण देगा। **ब्र.कु. राज दीदी,क्षेत्रीय संयोजिका,प्रभाग,नई दिल्ली, ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी,हांसी,हरियाणा, वीरेन्द्र कुमार सिसोदिया,डिप्टी डायरेक्टर एग्रीकल्चर, लखनऊ, ब्र.कु. मृत्युंजय,एक्ज़ीक्युटिव सेक्रेटी,ब्रह्माकुमारीज़, ब्र.कु. बद्री विशाल तिवारी,असिस्टेंट डायरेक्टर,एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट, ब्र.कु. संतोष दीदी,सह प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़, ब्र.कु. तृप्ति,राष्ट्रीय संयोजिक, प्रभाग, ब्र.कु. गीता,भीनमाल आदि ने भी कॉन्फ्रेन्स को सम्बोधित किया।** ब्र.कु. सुमंत,मुख्यालय संयोजक,प्रभाग ने सभी का शामिल होने हेतु धन्यवाद किया।

**प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना का अर्थ है कि हमारे ग्रामीण क्षेत्र, किसान तथा गरीब व्यक्ति सभी आत्मनिर्भर हों। गांवों में पर्याप्त मात्रा में पानी की कमी की समस्या, फसल ढांचे की समस्या, हानिकारक कीटनाशकों व रासायनिक उर्वरकों से खेतों को पहुंचने वाले नुकसान की समस्या, इन सभी समस्याओं का एक मात्र उपाय जैविक खेती ही हो सकता है। किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की राह में ब्रह्माकुमारी संस्थान इस ई-कॉन्फ्रेन्सिंग को लेकर आगे आया और यहाँ तो पहले से ही कृषि और कृषक की स्थिति सुधारने के लिए शाश्वत यौगिक खेती की जा रही है और इसे बढ़ावा दिया जा रहा है, जो बहुत ही उत्तम और सराहनीय कार्य है - सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी।**

**कैलाश चौधरी,मिनिस्टर ऑफ स्टेट फॉर एग्रीकल्चर एंड फार्मर्स वेलफेयर,भारत सरकार ने कहा कि कृषि को उन्नत बनाने के लिए ऐसे कोरोना महामारी के समय में भी ये संस्थान किसानों के साथ खड़ा है। हमारी सरकार ने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आय को दोगुना करने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं और इन प्रयासों को सफल बनाने का यदि कोई कार्य कर रहा है तो वो है ब्रह्माकुमारीज़। उन्होंने अपने माउण्ट आबू दौरे का अनुभव साझा करते हुए कहा कि वहाँ टिकाऊ जैविक यौगिक खेती की जा रही है। ये कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने की राह है।**

# 'वर्तमान' सबसे महत्वपूर्ण : उषा सिंह

## सभी वक्ताओं ने 'हलचल में अचल' रहने के दिए टिप्स

**नई दिल्ली-लोधी रोड।** ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'हलचल में अचल' विषय पर आयोजित ई-संगोष्ठी में **उषा सिंह,निदेशक,मानव संसाधन,एच.आर.,मॉयल लि.,भारत सरकार** ने टॉलस्टॉय की कहानी का उदाहरण देते हुए बताया कि हमारा वर्तमान क्षण ही सबसे महत्वपूर्ण क्षण होता है, जो हमारे सामने होता है वही व्यक्ति सबसे महत्वपूर्ण होता है और जो आप कर रहे हैं वही महत्वपूर्ण कार्य है। यदि हम इन तीन बातों को अपने जीवन में उतार लें तो फिर किसी भी प्रकार की हलचल में अचल रहना संभव हो जाएगा। **ब्र.कु. गंगाधर,संपादक,ओम शान्ति मीडिया, माउण्ट आबू** ने कहा कि जिस प्रकार ए.सी. कोच में यात्रा करने की शर्तें होती हैं कि दरवाज़ा अच्छे से बंद हो, बैठने का स्थान साफ-सुथरा हो। अगर गर्म हवा आ रही है तो दरवाज़े-खिड़कियाँ बंद करनी पड़ती हैं। ठीक उसी तरह जीवन यात्रा में भी कोई ऐसी चीज़ हो तो उसे देखकर अपने मन के द्वार पर अटेंशन रूपी पहरा लगा देना चाहिए ताकि उसकी अनुमति लिए बिना कोई व्यर्थ अंदर न आ सके। यदि हम ऐसी आदत बना लेते हैं तो हलचल में अचल रह सकेंगे। **ब्र.कु. पीयूष,क्षेत्रीय संयोजक, वैज्ञानिक एवं अभियंता प्रभाग,दिल्ली** ने कहा कि कोई भी समस्या अनंत काल तक नहीं चलती। परीक्षा आती है तो चली भी जाएगी। हम जितना व्यायाम करते, शरीर उतना ही शक्तिशाली बनता है। वैसे ही मन को जितना शांत रखते, वह उतना ही शक्तिशाली बनता है। सुबह उठते ही और रात को सोने से पहले थोड़ी देर मेडिटेशन करने से मन शक्तिशाली बनता है। **स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. गिरिजा बहन** ने कहा कि हलचल में अचल बने रहने के लिए हमें एकाग्रचित्त होना पड़ता है। आंतरिक हलचल का प्रभाव हमारे बाह्य जीवन को प्रभावित करता है। बाह्य हलचल में चलायमान होने से हलचल और गंभीर होती जाती है। इसलिए हमें अचल रहना ही है।

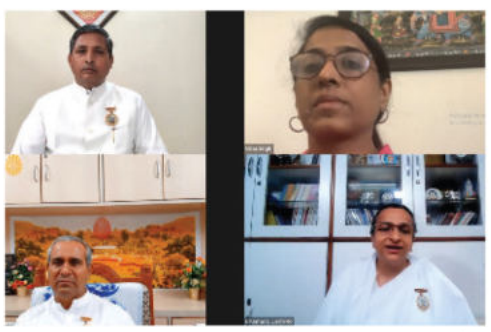

# 'ब्रह्माकुमारीज़ विराज प्रोफाइल्स मैनेजमेंट सेंटर' का उद्घाटन

**मुम्बई-महा.।** 'ब्रह्माकुमारीज़ विराज प्रोफाइल्स मैनेजमेंट सेंटर' का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. योगिनी दीदी,उपक्षेत्रीय संचालिका,विले पार्ले एंड नेशनल कोऑर्डिनेटर, बिज़नेस एंड इंडस्ट्री विंग, ब्रह्माकुमारीज़, ब्र.कु. मीरा दीदी,उपक्षेत्रीय संचालिका,सांताक्रूज़, नीरज कोचर,चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर,विराज प्रोफाइल्स तथा पूजा मेहरा,कंपनी की एक्ज़ीक्युटिव डायरेक्टर एवं नीरज कोचर की बेटी। मौके पर टी.बी. ठाकुर,प्रेसीडेंट,जी.आर. इंजीनियरिंग कॉलेज एंड चेयरमैन,चिनमय मिशन बोइसर तारापुर, जनार्दन सांखे,चार्टर्ड इंजीनियर आर्किटेक्ट एंड वाइस चेयरमैन,चिन्मय विद्यालय, एम.एन. वर्मा,ए.जी.एम. एच.आर.,तारापुर एटॉमिक पावर स्टेशन तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

**विराज इंडस्ट्रीज़,बोइसर के नज़दीक प्रकृति के बीच 11 एकड़ में फैला हुआ है ब्रह्माकुमारीज़ विराज प्रोफाइल्स मैनेजमेंट सेंटर।**

# अपने बच्चों को समझें माता-पिता : सेठिया

**भीनमाल-राज.।** ब्रह्माकुमारीज़ के यूथ विंग एवं स्थानीय सेवाकेन्द्र द्वारा नेशनल पेरेंट्स डे पर 'वर्तमान चुनौतियों में माता-पिता की भूमिका' विषय पर आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में सुप्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर विक्रम सेठिया,कोलकाता ने पेरेंट्स को बच्चों को समझने का, बच्चों के साथ अच्छा वक्त बिताने का और अपने स्वयं के जीवन को उदाहरण स्वरूप बनाने का आह्वान किया। ब्र.कु. गीता बहन ने राजयोग अभ्यास के द्वारा परम पिता से जुड़कर उनकी आज्ञाकारी संतान बनने तथा उनसे शक्ति लेकर अपने घर को सुखी एवं शांतमय बनाने का पुरुषार्थ करने की बात कही तथा सभी वक्ताओं का अभिवादन किया। बहन कीर्ति वाजपेई,प्रिन्सीपल,राजकीय मॉडल इंग्लिश स्कूल ने विद्यार्थियों के माता-पिता के अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि घर का वातावरण बच्चों के दिमाग पर प्रभाव डालता है, इसलिए बच्चों को घर में स्वस्थ वातावरण देना चाहिए। दीपक वाघ,एच.पी. मैनेजर,मुम्बई एवं भारत नागोरी,अहमदाबाद ने भी अभिभावकों की भूमिका पर बात की। कुछ प्रश्नों के उत्तर भी वक्ताओं ने दिए। वेबिनार का सफल संचालन हर्षा लापसियां,मुम्बई ने किया।